अध्याय तीन

अध्याय क्षेत्र में सेवा केन्द्रों का अभिव्यक्त
सेवा केंद्रों का अभिव्यक्ति: (IDENTIFICATION OF SERVICE CENTRES)

1. सेवा केंद्र से भाष्य:

सेवा केंद्र के निर्माण में "केन्द्रस्थल" शब्द का वास्तविक और स्पष्ट तात्पर्य समझना आवश्यक है। "केन्द्रस्थल" शब्द अब एक विशेष तकनीकी अर्थ में प्रयुक्त होने लगा है। इस के लिए प्रयुक्त पर्यावरणीय शब्दों में "सेवाकेंद्र" तथा "बाजार केंद्र" अधिक प्रचलित हैं। दूसरे शब्दों में समीपवर्ती रिस्क चारें और के क्षेत्रों के लिए उनकी सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक आवश्यकताओं, सेवाओं तथा वस्तुओं के विनिमय की भिन्न-भिन्न क्रियाओं के केंद्र को सेवा केंद्र कहते हैं। ¹ प्रायः सभी नगर चाहे हे छोटे हों या बड़े, केन्द्रस्थलों के रूप में कार्य करते हैं। ग्रामीण अथवा अवर्तमान विद्यालयों का स्थान जो बाजारों के रूप में विनिमय कार्य सम्पादित करते हैं सेवाकेंद्र होते हैं।² प्रत्येक सेवाकेंद्र एक स्थानीय निर्माण या बस्ती होता है, जिसका कुछ न कुछ प्रभाव श्रेणी अवश्य होता है और अपने श्रेणी के निवासियों की आवश्यकताओं, सेवाओं एवं वस्तुओं का विनिमय उसी केंद्र पर या उसके द्वारा संचालित होता है। ऐसे केंद्र की सबसे बड़ी पहचान यह है कि समीपवर्ती क्षेत्र सेवाकेंद्र में उपलब्ध क्षेत्रों एवं सेवाओं पर निर्भर अवश्य हो, सेवाकेंद्र केंद्र अपने ही निवासियों की आवश्यकता पूर्ति नहीं करता हो बल्कि सेवा स्थल होने के लिए दूसरी प्रमुख पहचान यह है कि उस स्थल पर विनिमय सम्बन्धी क्षेत्रीय आवश्यकताओं एवं सम्बन्धित आर्थिक क्रियाओं की राजधानी के रूप में अवश्यक कार्य करता हो।³ वह किसी राजनैतिक, सामाजिक या सांस्कृतिक क्रियाकलापों विशेष का केन्द्रस्थल नहीं हो। ⁴ जूक बस्तुओं या सेवाओं का विनिमय मानव की एक प्राथमिक आवश्यकता है, इसलिये प्रत्येक क्षेत्र या प्रदेश में सेवा केंद्रों के उपस्थिति भी अवैध है। अतएव बिना सेवाकेंद्रों के कोई भी विनिमय प्रदेश या इकाई पूर्ण नहीं कहा जा सकता है। ⁵ किसी ऐसे प्रदेश की वास्तविक राजधानी उस प्रदेश पर अधिकांश अनियंत्रण रखने वाला सेवा केंद्र ही हो सकता है, क्योंकि उस प्रदेश का
वह गम्य और बुद्धम मरुम स्थान उसकी आर्थिक क्रियाओं की भी रज्जवानी या केन्द्र यही स्थान या सेवाकेन्द्र होता।

नगरों का जन्म तथा विकास भी मानव समाज की इतिहास किन्है - समबन्धी शूलभूत आवश्यकताओं के लिए होता है। अतः उनका आधारभूत कार्य अपने क्षेत्र तथा सेवास्थल या सेवाकेन्द्र के रूप में कार्य करना है, लेकिन कुछ नगर ऐसे भी होते हैं, जिनमें केन्द्रीय कार्य का अभाव हो। अर्थात् जो केवल अपनी स्थानीय जनसंख्या की ही आवश्यकताओं की पूर्ति करते हो और इसलिए उनका अपना प्रभाव क्षेत्र या प्रदेश न हो, उदाहरण के लिए खानी की बितियाँ, शैक्षणिक अथवा औद्योगिक निर्माण, रेलवे आवास, हवाई पट्टी के निकट की बितियाँ, बन्दरगाह इत्यादि ये सभी तरह के नगर केन्द्रीय कार्यों के सम्मान करें ही ऐसा अनिवार्य नहीं है और न तो "नगर" शब्द की परिभाषा से ही ऐसे नगर नहीं होते हैं। अतः ऐसे शिविर या शूमं नगरों का होना जो केन्द्र स्थान का कार्य न करते हैं और व्यवहारिक रूप से भी असमान नहीं हैं, वे केवल ऐसे भी ये एक मानव निवासों के समूह समूह के रूप में ही अस्तित्व असमान नहीं हैं, वे जहाँ अप्राप्य व्यक्तियों एवं भूमि उपयोगों की अत्यंत प्राप्ति है, और वहीं कोई निर्माण के रूप में असमान नहीं हैं। यह बात दृश्य है कि ऐसे शूमं या शिविर किसी के नगरों में केन्द्रीय कार्य का विकास कुछ न कुछ और किसी न किसी अवस्था में प्राप्त हो ही जाता है।

इसलिए ये सेवाकेन्द्र हो जाते हैं। सेवाकेन्द्र स्थान कहे जाने के लिए किसी स्थान में निर्मितवत आवश्यकताओं का होना अनिवार्य है -

1) यह एक स्थाई मानव क्षेत्र का निर्माण होता है।
2) अपनी आर्थिक स्थिति की किसी सामाजिक-आर्थिक आवश्यकता की पूर्ति के अवसर उसमें प्रत्यक्ष रूप से समृद्ध स्थिति क्षेत्रों की सेवापूर्ति का कोई कार्य भी होता है, अर्थात् तृतीयक आर्थिक कार्यों अथवा सेवाओं का सम्मान यहाँ अथवा उसके द्वारा होता है।
3) मानन-समाज की आचरण कर्ता एवं सेवकों का विनिमय [वाणिज्य एवं व्यापार] का कार्य समीपवर्ती क्षेत्र के लिए आचरण होता है। और

4) प्रत्येक केन्द्रस्थल "प्रादेशिक राजधानी" के रूप में कार्य करता है और

इसलिए प्रत्येक केन्द्रस्थल का अपना प्रभाव क्षेत्र आचरण होता है।

ऐसा भी कोई सेवाकेन्द्र नहीं हो सकता, जिसमें वाणिज्य का प्रभाव न हो या जो प्रादेशिक राजधानी के रूप में कार्य न करता हो, लेकिन जो अन्य दशाओं विद्यमान हो, उसे शुद्ध राजनैतिक या प्रावश्चिक केन्द्र, वस्तु निर्माण उपयोग केन्द्र या कारखाना, मनोरंजन केन्द्र, संगीत जर्नल केन्द्र, विज्ञान वि-संस्कृति या स्वास्थ्य केन्द्र अथवा संस्कृतिक उद्योग की पूर्वत्र के लिए विशेष केन्द्र रचना आदि। ऐसे केन्द्रों को भी सेवाकेन्द्र नहीं कहा जा सकता, क्योंकि सेवाकेन्द्र मूलतः एक भौ-अर्थिक केन्द्र या राजधानी होता है। अतः समिति प्रदेश की आर्थिक क्रियाओं का केन्द्र होना अनिवार्य है। तीसरी दशा पूरी होने पर दूसरी दशा स्वेच्छ पूरी हो जाती है। ऐसे केन्द्र जो केवल दूर रहे क्षेत्रों पर प्रभाव डालते है अथवा जो अन्यथा किसी के होते है, केन्द्र स्थल नहीं हो सकते। उदाहरणार्थ विवाहिणी की रेलवे बंदी का अभ्युदय प्रारंभ में एक शुद्ध रेलवे स्टेशन के रूप में हुआ, सेवाकेन्द्र के रूप में नहीं, लेकिन अब वहाँ केन्द्रीय कार्य का विकास हो जाने के कारण सेवा केन्द्र भी माना जाता है, क्योंकि वहाँ की अधिकांश नगरीय जनसंख्या निर्माण कार्यों में लगी हुई है जो एक मात्रात्मक कार्य है, और समीपवर्ती क्षेत्रों के लिए सेवापूर्ति का तूलनात्मक कार्य वहाँ नवीकृत है। रेखांकित 3.1 में अधिकांश में आधारभूत कार्य का संचय आवृत्ति बढ़ा निर्मित किया गया है। जो सेवाकेन्द्रों की सघनता का घोटाला है।

2. सेवाकेन्द्रों का चयन और निर्धारण:

सेवाकेन्द्र शब्द का अर्थ जानने के बाद भी एक व्यवहारिक समस्या यहाँ बनी रह जाती है कि किसी क्षेत्र विशेष में कैसे अर्थात किन आधारों पर केन्द्र स्थलों का
Fig 3.1
निश्चित या चयन किया जाए, वह यद्यपि फ़िली बृहदाकार प्रदेश में वृक्षों, स्थानों और केन्द्र स्थलों की संख्या बहुत अधिक होती है और स्थलों, अधिकारी और संचालन जनसंख्या टके केन्द्र स्थलों का अध्ययन व्यवहारिक रूप से सम्भव नहीं है। केन्द्र स्थलों का निर्धारण किसी भी निर्धारित मापदंडों के आधार पर ही किया जा सकता है। अध्ययन क्षेत्र जितना ही बड़ा होता है उतना ही सीमित और सामान्यीकृत भी होता है और इसके विपरीत लघु आकार के प्रदेशों का अपेक्षाकृत अधिक निकटता और सूक्ष्म अध्ययन संभव होता है। छोटे क्षेत्रों के सभी केन्द्र स्थलों का अध्ययन किया जा सकता है, लेकिन बड़े प्रदेशों में उनकी संख्या सीमित या कम करने की आवश्यकता भी पड़ती है। ऐसे कारण सामान्य ध्यान देना आवश्यक है कि अधिक महत्वपूर्ण केन्द्र स्थल छोटे न जाए। केन्द्र स्थलों के निर्धारण में दृष्टा प्रश्न बिखर आंकड़ों और तत्वों की उपलब्धि का है, क्योंकि इसकी अनुपस्थिति में केन्द्र स्थलों के निर्धारण या परिस्थितियों मापदंडों का उपयोग नहीं किया जा सकता। हमें प्राप्त: सभी अध्ययनों में अपने विश्लेषण की आधार भूमि रूप से जननगणना व अन्य सहकारी सूचनाओं और अन्य तरह के आंकड़ों का संग्रह अपेक्षाकृत एक दुर्लक्ष कार्य है और आंकड़ों की शुद्धता भी संदेख होती है जैसे हमारा अध्ययन व्यवहारिक रूप से एक: ऐसे ही सरकारी और अर्थात सहकारी आंकड़ों पर आधारित होता है, इसलिए प्रदेशों, नगरीय क्षेत्रों और प्रशासनिक सीमाओं के अनेक निर्धारणों और अभियांत्रिकों को उसी रूप में स्वीकार करना पड़ता है, भले ही वे वास्तविक भौगोलिक व्यवस्थाओं से न मिलता है।

सेवा केन्द्रों के चयन के लिए कई प्रकार के आधारों एवं पद्धतियों का उपयोग किया जा सकता है, लेकिन सेवा केन्द्रों के निर्धारण में उसकी परिभाषा की सबसे अधिक सहायता लेने पड़ती है। ऐसे केन्द्र स्थलों का निर्धारण या चयन, केन्द्रीयता जात करना और निर्माण क्षेत्रों की सीमांकन तीनों समस्याओं एक दूसरे से किलनित सम्बन्धित अध्ययन अन्योन्याधिक होती है और केन्द्रीयता को जात करने के उपरान्त प्रभावी क्षेत्रों का सीमांकन अन्यान्य रूप से किया जा सकता है। सेवा केन्द्रों के निर्धारण में क्षेत्रीय विशालता और आंकड़ों की उपलब्धि पर आधारित होती है। इस हेतु अलग-अलग मापदंडों का सहारा किया जाना अनिवार्य हो सकता है। हमारा आधार जितने अधिक परिभाषात्मक या संयात्मक होंगे सेवाओं के विश्लेषण में
उत्तरी ही चुनिव रही। छोटे क्षेत्रों की विशेषताओं के आधार पर सभी सेवा केंद्रों को अध्ययन के लिये जुड़ा जा सकता है, क्योंकि तभी हमारा अध्ययन पूर्ण एवं संबंधित होगा। केन्द्रस्थलों के चयन के समय बहुत से परस्पर सम्बंधित प्रश्न स्वतः समन्वय आते हैं -

1। क्या कोई स्थान या केंद्र पास के क्षेत्रों की सेवापूर्ति करता है या नहीं और यदि करता है तो कौन-कौन सी आवश्यकताओं की। इन बातों का निश्चित और तथ्यात्मक प्रवर्तक होना चाहिये।

2। क्या किसी स्थान या बस्ती में केंद्रीय या स्थानीय जनसंबंध के अतिरिक्त और भी क्षेत्र सम्बद्ध हैं?

3। केन्द्रस्थलों के भिन्न-भिन्न और जीता ढंगों के कार्यों और सेवाओं में से किन-किन पर अधिक ध्यान केनिद्र किया जाय।

4। किसी क्षेत्र की असंघ बस्तियों और स्थानों में से किन-किन की परीक्षा मापदंडों से की जाय इत्यादि प्रश्न एक दूसरे से सम्बंधित होकर सेवा केंद्र की महत्ता को और अधिक स्पष्ट करते हैं।

सेवाकेंद्रों के चयन में सबसे अधिक स्पष्ट और उत्तम मापदंड केंद्रीय सेवाओं और स्थानों का है। इन कार्यात्मक संस्थाओं या इकाइयों में जो अधिक भौतिक या महत्वपूर्ण हैं उनके आधार पर हम उन स्थानों को चुन सकते हैं। जिनमें वे विधिमान हों, जैसे-प्रतिदिन का क्रय-विक्रय, कपड़ा की दुकानों, विचित्रित कला या दवाईयों की दुकानों, हाईस्कूल इत्यादि। इसी प्रकार वह सेवाओं के आधार पर भी भूगोलविद सेवाकेंद्रों की केन्द्रीयता का चयन करते हैं। इसके अतिरिक्त कुछ ऐसे केन्द्रस्थल जो सेवापूर्ति में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं, बस सेवाओं की अनुपस्थिति के कारण धूर्त सकते हैं। केन्द्रस्थलों के चयन में केंद्र और उसके क्षेत्र के बीच की अन्य सेवाओं या क्रियाओं की सहायता भी ली जा सकती है। माउल 3.2 में केंद्रीय स्थानों का विघटन एवं प्रसारण दर्शाया गया है।
Model for Central Place Diffusion

A Christaller Landscape K=3

B Christaller Landscape With Undivided Settlements

A Boundary (27 Cells)
B Boundary (9 Cells)
C Boundary (3 Cells)

C Purely Hierarchic Diffusion Process From "A" Numbers Indicate Time Period Of Innovation

D Purely Neighbourhood Effect From "A" Processes

E Combined Hierarchic And Neighbourhood Processes

Hierarchic Links
Neighbourhood Effect Links


Fig 3.2
74

सेवाकेन्द्रों के निर्धारण की एक व्यवहारिक विधि व्यक्तिगत सर्वेक्षण या केन्द्र अध्ययन के आधार पर हो सकती है। इसके द्वारा यह पता लगाया जा सकता है कि कौन-कौन से श्रमिकों में आवश्यक सेवा पूर्ति की विशेषतायें और निर्दिष्ट प्रमाण क्षेत्र मिलते हैं प्रशासकी की सहायता से यह जात किया जा सकता है कि कौन-कौन संस्थान या क्षेत्र किन सेवा केन्द्रों पर निर्भर है लेकिन यह विधि अधिक कार्यकुशल होने के साथ-साथ छोटे क्षेत्रों के लिए ही अधिक उपयोगी है। केन्द्रों की दूसरी मूल्यांकन विधि जनसंख्यात्मक हो सकती है। चूंकि व्यावहारिक का कार्य केन्द्रों का सर्वाधिक मूलभूत और व्यापक कार्य है, इसलिये केन्द्रों की पूरी जनसंख्या में वर्णनकरण कार्य में लगे हुए व्यक्तियों के प्रतिष्ठान मूल्य की कोई आधार संख्या की जा सकती है और यह प्रतिष्ठान संख्या प्राधिक परम्परा माने से कम नहीं होने चाहिए। 10 केन्द्रीय जनसंख्या की आंतरिक संचरण, आकार और धारण के आधार पर भी केन्द्रों का चयन किया जा सकता है, कारण जनसंख्या की विशेषतायें विश्लेषण-भिन्न केन्द्रों का सर्वाधिक महत्व भी दर्शाती है, ऐसा करते समय श्रमिकों के लिए आधारभूत कार्य में लगी जनसंख्या पर विशेष ध्यान देना आवश्यक होगा, विशेषत: व्यवहार के आधिकारिक कार्य में लगी जनसंख्या पर विशेष ध्यान देना आवश्यक होगा।

3. वर्तमान सेवाकेन्द्र और उसका निर्योजन :

केन्द्रीय स्थान और सेवाकेन्द्र शाखाओं का उपयोग एक दूसरे के पर्यावरण के रूप में किया जाता है, जो अपनी विस्तार के अन्तर्गत की कृपणता क्रियाओं को प्रदेश के अंदर ही पूर्ण करते हैं। 11 कोई एक केन्द्र जिसमें कुछ विशेष क्षेत्र की क्रियाओं को प्रदेश के अंदर ही पूर्ण करता है, जो अन्य केन्द्रों का अपनी विशेषता प्रदान करता है, विशेषक नामिक रूप से कहलाता है। इससे समस्त विभिन्न स्थानों का नामिक रूप से नामांकित क्रियाओं और सामाजिक स्थान सम्मिलित हैं, परतिर्प मिलती है, सेवाकेन्द्र के रूप में कहलाती है। एक केन्द्र के साथ इस परिवर्तन में चारी और का श्रेष्ठ निर्भर करता है। केवल केन्द्रीय अधिकारित एक स्थान के नाम जैसे-केन्द्रीय स्थान के लिये पर्यावरण नहीं होती, जबकि इसके अन्दर केन्द्रीय कार्यों और सेवाओं से सम्बन्धित न्याय प्रभुत्व कार्यकारी केन्द्र भी आते हैं। इस प्रकार केन्द्रीय
स्थान स्थित अपने पड़ावी क्षेत्रों को सेवाओं प्रदान करती हैं और इस प्रकार की सेवाओं को सेवाकेंद्रों के अन्दर सम्मिलित किया जाता है। एक सेवाकेंद्र के किसी नियंत्रित स्थान के विशाल कौशलों के अधीन परिभाषित किया जाता है जो अपनी आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। और अन्य श्रेणियों की आवश्यकताओं की भी अपनी सेवाओं प्रस्तुत करता है। किसी सेवाकेंद्र की प्रावधानी विशेषताओं के अन्तर्गत कस्टुम और सेवाओं के आदान-प्रदान और क्षेत्रों के लिए सेवाओं की अपनी भाषा द्वारा प्रस्तुत करता है। ये केंद्र आय और व्यवसाय केंद्रों के समान कार्य करते हैं, इसलिये प्रावधानी अर्थिकों को बढ़ावा करते हैं।

जिससे क्षेत्र का सामाजिक अर्थिक स्तर उज्ज्वल होता है। इस प्रकार सेवाकेंद्रों का विशेष ध्येय जैसे कि केंद्रीय स्थान है। क्रिस्टल्१२ ने इसे दर्शाया किया है। भारत में सेवाकेंद्रों का अतिक्ष और उनका सार्वजनिक स्वरूप केवल उच्च वर्ग के सेवाकेंद्र जैसे नगरीय केंद्र प्रायश्चितिक संस्थान और समाजसेवा विकास के लिए विशेषता क्षेत्र में निम्न और उच्च वर्ग के सेवा केंद्रों के समस्त विकास के लिए शीघ्र आवश्यकता दृष्टिगत होते हैं। केंद्रीय योजना के रूप में ये सेवाकेंद्र केंद्रीय सेवाओं और प्रस्तर कार्य के लिए विभिन्न कार्य करते हैं। केंद्रों के लिए एक आधारभूत मान्यता और प्रावधानी स्तर पर पार्टी जाती है जो प्रावधानी निर्माण में मानवीय केंद्रीय विशेषताओं को प्रस्तुत करती है।

सामान्यता: निम्नलिखित चार मान्यताओं अध्ययन के अन्तर्गत होनी चाहिए।

1. एक सेवा केंद्र मनुष्य की स्थायी बस्ती होती है।

2. कस्टुम का आदान प्रदान सेवाकेंद्र और उसके चारों ओर के क्षेत्र के मध्य आवश्यकताओं की पूर्ति पर प्रभावित होनी चाहिए। इस प्रकार कुछ निर्धारित वाणिज्यिक और अन्य सेवाओं का निर्धार सेवाकेंद्रों में हो सकता है।

3. कार्यक्रम स्तर का विभाजन चारों ओर की बौद्धिक पर निर्भर होगा, जो कि सामाजिक अर्थिक और प्रावधानी स्तर की आवश्यकताओं की पूर्ति करती है।

4. निम्न वर्ग के केंद्रों को आम निर्भरता प्रदान की जाय और उनकी निर्भरता उच्चवर्गीय केंद्रों से भी होनी चाहिए। सेवाकेंद्रों और कार्यों की कमी के
आधार पर रोका जा सके।

किसी क्षेत्र के सन्तुलित विकास के लिये, सामाजिक और आर्थिक कार्य के लिए दूसरे समीपवर्ती क्षेत्रों से सहायता लेनी पड़ती है। केन्द्रीय बिन्दु के कार्यात्मक सम्बन्ध का निर्धारण गाँव के समूहों के साथ वास्तविक योजना इकाई के लिये किया जा सकता है। क्षेत्रीय बातची अपने समीपवर्ती क्षेत्रों को विभिन्न सुविधायें वितरित करते हैं। क्षेत्रीय कार्यात्मक संगठन की विकास की संकल्पना का आधार विकास केंद्र उत्पत्ति केंद्र सम्पूर्ण तथ्यों को एक नया मार्ग प्रस्तुत करता है। विकास के सभी तत्वों, वास्तविक योजना केंद्रों और सेवा प्रदाता केंद्रों के रहन सहन स्तर को ऊंचा रखना होता है।

अध्ययन क्षेत्र में संरचना के उपरांत यह पाया गया है कि समीपवर्ती गाँव के आदिकाल लोग अपने पास की विकास खाने क्रियाओं की ओर, गाँव की दूरीयों की जानकारी रखते हैं, उन्हें जानकारियों एवं संस्थाओं से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर विश्लेषण किया गया है, वास्तव में अध्ययन क्षेत्र के विकास के लिए सामाजिक एवं आर्थिक व्यावहारिक केन्द्रीय व्यावहारिक साधनों का प्रयोग किया गया है, क्योंकि बाला के सम्पूर्ण कार्य का प्रारूप एवं संचालन स्थायी आधार द्वारा निर्मित होता है।

यहाँ भी विद्वानों में सभी संसाधन उपलब्ध नहीं है और न ही उनका वितरण एक समान है जिससे कि प्रत्येक बातची, प्रत्येक कार्य के लिये अपने उपर आधित हो। प्राधिक योजनाओं के लिये गाँव और नगरीय स्तर पर क्षेत्रीय स्वरूप निर्मित करते समय भोगालिक विद्वानों के निर्धारण की प्रमुख समस्या है। यह समस्या निर्धारित स्थान पर क्षेत्र विशेषता कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर अधिक आलें है। वृद्धि जनक प्रदर्शन के बांधी में (विशेषता प्रदर्शन) के वास्तव में उत्क्र विशेषण में प्रस्तुत किया गया।

वृद्धि जनक प्रदर्शन आधारभूत गतिक संकल्पना को वृद्धि धूम सिंहासं (Growth Pole Theory) और रिक्युर केन्द्रीय स्थान सिद्धान्त (Central Place Theory) में आवश्यक परिवर्तनों के आधार पर आर्थिक वृद्धि उत्पन्न होती है और प्राधिक जनसंख्या को सेवाओं प्रदान कर आत्म निर्भर क्षेत्र को बनाया जा सकता है।

सारणी 3.1 में सेवा केंद्रों के निर्धारण हेतु विभिन्न कार्य को दर्शाया गया है।
<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रमांक</th>
<th>कार्य</th>
<th>प्रवेश बिंदु</th>
<th>प्रवेश बिंदु कार्य रखने</th>
<th>जनसंख्या के ऊपर के बाले सेवा सीमांकन एग्जामिनरी केन्द्रों की संख्या</th>
<th>संख्या</th>
<th>संख्या</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>पुलिस दुकान</td>
<td>178</td>
<td>742</td>
<td>850</td>
<td>867</td>
<td>100</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>दूरभाष केन्द्र</td>
<td>214</td>
<td>713</td>
<td>31</td>
<td>23773</td>
<td>2742</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>अध्यापक क्षेत्र</td>
<td>237</td>
<td>697</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>आयुर्विज्ञान उपचार केन्द्र</td>
<td>394</td>
<td>546</td>
<td>26</td>
<td>28345</td>
<td>3269</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>नाई मिरी</td>
<td>448</td>
<td>500</td>
<td>811</td>
<td>909</td>
<td>105</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>चाय की दुकान</td>
<td>484</td>
<td>476</td>
<td>481</td>
<td>1532</td>
<td>177</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>चिकित्सा सुविधायें</td>
<td>502</td>
<td>455</td>
<td>458</td>
<td>1609</td>
<td>185</td>
</tr>
<tr>
<td>8.</td>
<td>भेड़ प्रजनन केन्द्र</td>
<td>549</td>
<td>418</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>9.</td>
<td>साइकिल दर्मिन्क का कार्य</td>
<td>585</td>
<td>399</td>
<td>781</td>
<td>944</td>
<td>109</td>
</tr>
<tr>
<td>10.</td>
<td>दर्जी</td>
<td>658</td>
<td>353</td>
<td>742</td>
<td>993</td>
<td>114</td>
</tr>
<tr>
<td>11.</td>
<td>धमी-निरी</td>
<td>682</td>
<td>341</td>
<td>480</td>
<td>1535</td>
<td>177</td>
</tr>
<tr>
<td>12.</td>
<td>लघु लघु कंट्रो/पावरलूम</td>
<td>758</td>
<td>300</td>
<td>54</td>
<td>13648</td>
<td>1574</td>
</tr>
<tr>
<td>13.</td>
<td>आदा-चक्की</td>
<td>773</td>
<td>293</td>
<td>635</td>
<td>1161</td>
<td>134</td>
</tr>
<tr>
<td>14.</td>
<td>चा-निरी</td>
<td>795</td>
<td>280</td>
<td>727</td>
<td>1014</td>
<td>117</td>
</tr>
<tr>
<td>15.</td>
<td>कृषि वंच मरम्मत एवं निर्माण</td>
<td>827</td>
<td>266</td>
<td>611</td>
<td>1206</td>
<td>139</td>
</tr>
<tr>
<td>16.</td>
<td>प्राइमरी स्कूल</td>
<td>828</td>
<td>264</td>
<td>683</td>
<td>1079</td>
<td>124</td>
</tr>
<tr>
<td>17.</td>
<td>हेयर कटिंग सेवाक</td>
<td>828</td>
<td>264</td>
<td>70</td>
<td>10528</td>
<td>1214</td>
</tr>
<tr>
<td>18.</td>
<td>उपचारस्टेट्टर शिक्षा केन्द्र</td>
<td>852</td>
<td>256</td>
<td>507</td>
<td>1454</td>
<td>168</td>
</tr>
<tr>
<td>19.</td>
<td>मल्टी संवर्धन केन्द्र</td>
<td>877</td>
<td>243</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>कार्य</td>
<td>प्रवेश बिंदु</td>
<td>प्रवेश बिंदु के ऊपर के सेवकिंद्रों की संख्या</td>
<td>कार्य रखने वाले सेवा केंद्रों की संख्या</td>
<td>जनसंख्या सीमाकलन</td>
<td>जनसंख्या सीमाकलन सूचकांक</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>-----------------------</td>
<td>------------</td>
<td>---------------------------------------</td>
<td>-------------------------------------</td>
<td>------------------------</td>
<td>-------------------------</td>
</tr>
<tr>
<td>20.</td>
<td>जूता मरम्मत एवं निर्माण</td>
<td>890</td>
<td>238</td>
<td>521</td>
<td>1414</td>
<td>163</td>
</tr>
<tr>
<td>21.</td>
<td>मिश्रण भण्डार</td>
<td>928</td>
<td>220</td>
<td>208</td>
<td>3543</td>
<td>4009</td>
</tr>
<tr>
<td>22.</td>
<td>व्यक्तिगत खाद्य विक्रेता</td>
<td>966</td>
<td>217</td>
<td>52</td>
<td>14173</td>
<td>1635</td>
</tr>
<tr>
<td>23.</td>
<td>लकड़ी/बाढ़ उद्योग</td>
<td>999</td>
<td>208</td>
<td>324</td>
<td>2275</td>
<td>262</td>
</tr>
<tr>
<td>24.</td>
<td>जनरल स्टोर</td>
<td>1068</td>
<td>182</td>
<td>31</td>
<td>23773</td>
<td>2742</td>
</tr>
<tr>
<td>25.</td>
<td>पुटकर सिले कपड़े की दुकान</td>
<td>1090</td>
<td>177</td>
<td>34</td>
<td>21676</td>
<td>2500</td>
</tr>
<tr>
<td>26.</td>
<td>स्वार्ण आभूषण निर्माण</td>
<td>1096</td>
<td>173</td>
<td>103</td>
<td>7155</td>
<td>825</td>
</tr>
<tr>
<td>27.</td>
<td>पुनःलक एवं स्टेशनरी की दुकान</td>
<td>1175</td>
<td>159</td>
<td>54</td>
<td>13648</td>
<td>1574</td>
</tr>
<tr>
<td>28.</td>
<td>विलुत सामान की दुकान</td>
<td>1265</td>
<td>141</td>
<td>74</td>
<td>9959</td>
<td>1149</td>
</tr>
<tr>
<td>29.</td>
<td>रेडियो एवं चादर मरम्मत</td>
<td>1335</td>
<td>131</td>
<td>38</td>
<td>19394</td>
<td>2237</td>
</tr>
<tr>
<td>30.</td>
<td>सहकारी उपलक्ष मूल्य की दुकान</td>
<td>1422</td>
<td>120</td>
<td>360</td>
<td>2047</td>
<td>236</td>
</tr>
<tr>
<td>31.</td>
<td>शेबर मैस संग्रह</td>
<td>1449</td>
<td>113</td>
<td>29</td>
<td>25413</td>
<td>2931</td>
</tr>
<tr>
<td>32.</td>
<td>सुनियोजी प्रशिक्षण संस्था</td>
<td>1551</td>
<td>97</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>33.</td>
<td>सन्तु विज्ञान उपकेंद्र</td>
<td>1551</td>
<td>97</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>34.</td>
<td>आटो ड्राइवर्स सुधार केंद्र</td>
<td>1557</td>
<td>91</td>
<td>19</td>
<td>38788</td>
<td>4474</td>
</tr>
<tr>
<td>35.</td>
<td>चाइल्ड वैल-फेयर केंद्र</td>
<td>1639</td>
<td>86</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>36.</td>
<td>कृतिम गर्भधाम उपकेंद्र</td>
<td>1685</td>
<td>80</td>
<td>36</td>
<td>20472</td>
<td>2361</td>
</tr>
<tr>
<td>37.</td>
<td>धार्मिक स्थल</td>
<td>1709</td>
<td>77</td>
<td>6</td>
<td>122830</td>
<td>14167</td>
</tr>
<tr>
<td>38.</td>
<td>शाखा डाकघर</td>
<td>1765</td>
<td>71</td>
<td>158</td>
<td>4664</td>
<td>538</td>
</tr>
<tr>
<td>39.</td>
<td>मिडिल स्कूल</td>
<td>1801</td>
<td>68</td>
<td>153</td>
<td>3817</td>
<td>555</td>
</tr>
<tr>
<td>40.</td>
<td>दर्शनीम स्थल</td>
<td>1929</td>
<td>59</td>
<td>9</td>
<td>81887</td>
<td>9445</td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>कार्य</td>
<td>प्रवेश विभ.</td>
<td>प्रवेश विभ. कार्य रखने के उपर के वाले सेव केन्द्रों की संख्या</td>
<td>कार्य रखने सीमा केन्द्रों की संख्या</td>
<td>जनसंख्या सीमा केन्द्रों की संख्या</td>
<td>जनसंख्या सीमा केन्द्रों की संख्या</td>
</tr>
<tr>
<td>-------</td>
<td>-----------------</td>
<td>------------</td>
<td>--------------------------------------------------</td>
<td>--------------------------------</td>
<td>--------------------------------</td>
<td>--------------------------------</td>
</tr>
<tr>
<td>41.</td>
<td>दर्शनीय स्थल</td>
<td>1929</td>
<td>59</td>
<td>9</td>
<td>81887</td>
<td>9445</td>
</tr>
<tr>
<td>42.</td>
<td>बस स्टॉप</td>
<td>1936</td>
<td>59</td>
<td>165</td>
<td>4466</td>
<td>515</td>
</tr>
<tr>
<td>43.</td>
<td>सांस्कृतिक बाजार</td>
<td>2058</td>
<td>48</td>
<td>157</td>
<td>4694</td>
<td>541</td>
</tr>
<tr>
<td>44.</td>
<td>फल एवं सब्जी की दुकान</td>
<td>2058</td>
<td>48</td>
<td>25</td>
<td>29479</td>
<td>3400</td>
</tr>
<tr>
<td>45.</td>
<td>लोहे की दुकान</td>
<td>2244</td>
<td>45</td>
<td>10</td>
<td>73698</td>
<td>8500</td>
</tr>
<tr>
<td>46.</td>
<td>प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र</td>
<td>2350</td>
<td>44</td>
<td>17</td>
<td>43352</td>
<td>85008</td>
</tr>
<tr>
<td>47.</td>
<td>शराब की दुकान</td>
<td>2490</td>
<td>34</td>
<td>135</td>
<td>5459</td>
<td>630</td>
</tr>
<tr>
<td>48.</td>
<td>नसरी मिठाई</td>
<td>2492</td>
<td>34</td>
<td>9</td>
<td>81887</td>
<td>9445</td>
</tr>
<tr>
<td>49.</td>
<td>सब रेंज मिठाई</td>
<td>2526</td>
<td>33</td>
<td>19</td>
<td>38788</td>
<td>4474</td>
</tr>
<tr>
<td>50.</td>
<td>मेडिकल स्टोर</td>
<td>2628</td>
<td>30</td>
<td>13</td>
<td>56691</td>
<td>6539</td>
</tr>
<tr>
<td>51.</td>
<td>हाईब्युल</td>
<td>2686</td>
<td>30</td>
<td>64</td>
<td>11515</td>
<td>1328</td>
</tr>
<tr>
<td>52.</td>
<td>पशु औषधालय</td>
<td>2765</td>
<td>29</td>
<td>46</td>
<td>16021</td>
<td>1848</td>
</tr>
<tr>
<td>53.</td>
<td>सहकारी साधन नीति</td>
<td>2817</td>
<td>29</td>
<td>87</td>
<td>8471</td>
<td>977</td>
</tr>
<tr>
<td>54.</td>
<td>फिक्चर प्रोटिंग</td>
<td>3046</td>
<td>26</td>
<td>6</td>
<td>122830</td>
<td>14167</td>
</tr>
<tr>
<td>55.</td>
<td>भोजनालय</td>
<td>3053</td>
<td>26</td>
<td>20</td>
<td>36489</td>
<td>4250</td>
</tr>
<tr>
<td>56.</td>
<td>फोटोग्राफर की दुकान</td>
<td>3233</td>
<td>26</td>
<td>19</td>
<td>38788</td>
<td>4474</td>
</tr>
<tr>
<td>57.</td>
<td>धार्मिक शाला</td>
<td>3432</td>
<td>21</td>
<td>30</td>
<td>24566</td>
<td>2833</td>
</tr>
<tr>
<td>58.</td>
<td>शीत गृह</td>
<td>3487</td>
<td>21</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>58003</td>
</tr>
<tr>
<td>59.</td>
<td>शामिलना हाऊस</td>
<td>3654</td>
<td>18</td>
<td>11</td>
<td>66998</td>
<td>7727</td>
</tr>
<tr>
<td>60.</td>
<td>मोटर पार्ट्स एवं बैटरी</td>
<td>3933</td>
<td>15</td>
<td>5</td>
<td>147396</td>
<td>17001</td>
</tr>
<tr>
<td>61.</td>
<td>इलेक्ट्रॉनिक मेडिकेट [10+2]</td>
<td>3946</td>
<td>15</td>
<td>36</td>
<td>20472</td>
<td>2361</td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>कार्य</td>
<td>प्रवेश बिंदु</td>
<td>प्रवेश बिंदु के ऊपर के सेवकों की संख्या</td>
<td>कार्य रखने वाले सेवकों की संख्या</td>
<td>जनसंख्या सीमाकान</td>
<td>जनसंख्या सीमाकान सूचकांक</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>------------------------</td>
<td>------------</td>
<td>-------------------------------------</td>
<td>----------------------------------</td>
<td>----------------------</td>
<td>--------------------------</td>
</tr>
<tr>
<td>62</td>
<td>मुद्रागार</td>
<td>4007</td>
<td>15</td>
<td>6</td>
<td>122830</td>
<td>14167</td>
</tr>
<tr>
<td>63</td>
<td>कुंदलीखण्ड श्रेणीय ग्रामीण बैंक</td>
<td>4056</td>
<td>15</td>
<td>43</td>
<td>17139</td>
<td>1677</td>
</tr>
<tr>
<td>64</td>
<td>फोटो स्टेट की दुकान</td>
<td>4455</td>
<td>10</td>
<td>7</td>
<td>105283</td>
<td>12143</td>
</tr>
<tr>
<td>65</td>
<td>सामग्रिक विक्रेता</td>
<td>4657</td>
<td>10</td>
<td>4</td>
<td>184245</td>
<td>21251</td>
</tr>
<tr>
<td>66</td>
<td>ट्रैफिक पोलिस</td>
<td>4657</td>
<td>10</td>
<td>4</td>
<td>184245</td>
<td>21251</td>
</tr>
<tr>
<td>67</td>
<td>बस आपरेटर</td>
<td>4796</td>
<td>10</td>
<td>3</td>
<td>245660</td>
<td>28334</td>
</tr>
<tr>
<td>68</td>
<td>ट्रैफिक प्रशिक्षण केंद्र</td>
<td>4796</td>
<td>10</td>
<td>3</td>
<td>245660</td>
<td>28334</td>
</tr>
<tr>
<td>69</td>
<td>कूलर, बक्से एवं अलमारी निर्माण</td>
<td>4998</td>
<td>9</td>
<td>3</td>
<td>245660</td>
<td>28334</td>
</tr>
<tr>
<td>70</td>
<td>ब्रेक एवं डबल रोडी निर्माण</td>
<td>5231</td>
<td>9</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>71</td>
<td>रेलवे स्टेशन</td>
<td>5412</td>
<td>8</td>
<td>3</td>
<td>245660</td>
<td>28334</td>
</tr>
<tr>
<td>72</td>
<td>बर्फ पैकटरी</td>
<td>5668</td>
<td>7</td>
<td>5</td>
<td>147396</td>
<td>17001</td>
</tr>
<tr>
<td>73</td>
<td>लौंज</td>
<td>6050</td>
<td>7</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>74</td>
<td>उप डाकघर</td>
<td>6684</td>
<td>7</td>
<td>17</td>
<td>42352</td>
<td>5000</td>
</tr>
<tr>
<td>75</td>
<td>प्रतिविद उपभोग की कस्टुओं का बाजार</td>
<td>6844</td>
<td>6</td>
<td>22</td>
<td>33499</td>
<td>3864</td>
</tr>
<tr>
<td>76</td>
<td>आया मशीन</td>
<td>7046</td>
<td>5</td>
<td>10</td>
<td>73698</td>
<td>8500</td>
</tr>
<tr>
<td>77</td>
<td>ट्रेक्टर विक्रेता</td>
<td>7059</td>
<td>5</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>78</td>
<td>राजस्व निरीक्षक मण्डल मुख्यालय</td>
<td>7413</td>
<td>5</td>
<td>17</td>
<td>42352</td>
<td>5000</td>
</tr>
<tr>
<td>79</td>
<td>सहकारी बैंक</td>
<td>7529</td>
<td>5</td>
<td>17</td>
<td>42352</td>
<td>5000</td>
</tr>
<tr>
<td>80</td>
<td>आटोमोबाइल विक्री केंद्र</td>
<td>8471</td>
<td>4</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>81</td>
<td>पुलिस स्टेशन</td>
<td>9047</td>
<td>4</td>
<td>12</td>
<td>61415</td>
<td>7084</td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>कार्य</td>
<td>प्रवेश बिंदु</td>
<td>प्रवेश बिंदु के ऊपर के कार्य रखने वाले सेवकों के संख्या</td>
<td>जनसंख्या सीमाकालन</td>
<td>जनसंख्या सीमाकालन सूचकांक</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>---------------------------------</td>
<td>------------</td>
<td>------------------------------------------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>----------------------</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>82.</td>
<td>राष्ट्रीय बैंक</td>
<td>9195</td>
<td>54</td>
<td>81887</td>
<td>9445</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>83.</td>
<td>पशु बाजार</td>
<td>9333</td>
<td>4</td>
<td>66998</td>
<td>7727</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>84.</td>
<td>कार्यों. म.प्र. टैक्सटाइल कार्यालय</td>
<td>10462</td>
<td>2</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>85.</td>
<td>बीड़ी बनाने के कारखाने</td>
<td>10588</td>
<td>2</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>86.</td>
<td>रेडियो एवं डीजल वितरण</td>
<td>10645</td>
<td>2</td>
<td>184245</td>
<td>21251</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>87.</td>
<td>कृषि उपज मण्डी</td>
<td>10877</td>
<td>2</td>
<td>122830</td>
<td>14167</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>88.</td>
<td>पशु चिकित्सालय</td>
<td>11256</td>
<td>2</td>
<td>81887</td>
<td>9495</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>89.</td>
<td>विश्व गृह</td>
<td>12690</td>
<td>1</td>
<td>122830</td>
<td>14167</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>90.</td>
<td>समस्ती मण्डी</td>
<td>12690</td>
<td>1</td>
<td>122830</td>
<td>14167</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>91.</td>
<td>सिलाई एवं बुनाई प्रशिक्षण केंद्र</td>
<td>13204</td>
<td>2</td>
<td>368490</td>
<td>42502</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>92.</td>
<td>रहत एवं क्षेत्र निर्माण</td>
<td>13204</td>
<td>2</td>
<td>368490</td>
<td>42502</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>93.</td>
<td>भूमि विकास बैंक</td>
<td>13343</td>
<td>1</td>
<td>105283</td>
<td>12143</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>94.</td>
<td>एतेयोधिक उपचार</td>
<td>13336</td>
<td>1</td>
<td>105283</td>
<td>12143</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>95.</td>
<td>महाविद्यालय</td>
<td>13742</td>
<td>5</td>
<td>147396</td>
<td>17001</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>96.</td>
<td>नर्सिंग होम</td>
<td>14118</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>97.</td>
<td>समाचार पत्र प्रकाशन केंद्र</td>
<td>14118</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>98.</td>
<td>नगरपालिका मुख्यालय</td>
<td>14902</td>
<td>6</td>
<td>122830</td>
<td>14167</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>99.</td>
<td>विकासवाण्ड मुख्यालय</td>
<td>14902</td>
<td>6</td>
<td>122830</td>
<td>14167</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>100.</td>
<td>तहसील मुख्यालय</td>
<td>15734</td>
<td>5</td>
<td>147396</td>
<td>17001</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>101.</td>
<td>कृषिम गर्भाधान केंद्र</td>
<td>15942</td>
<td>4</td>
<td>184245</td>
<td>21251</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>102.</td>
<td>होम्योपैथिक उपचार</td>
<td>16388</td>
<td>3</td>
<td>245660</td>
<td>28334</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>कार्य</td>
<td>प्रेस बिनु</td>
<td>प्रेस बिनु के उपर के सेवाकर्मियों की संख्या</td>
<td>कार्य रखने वाले सेवाकर्मियों की संख्या</td>
<td>जनसंख्या सीमांकन</td>
<td>जनसंख्या सीमांकन सूचकांक</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>----------</td>
<td>------------------------------------------</td>
<td>----------------------------------------</td>
<td>---------------------</td>
<td>-------------------------</td>
</tr>
<tr>
<td>103.</td>
<td>मल्ल प्रशिक्षण केन्द्र</td>
<td>17051</td>
<td>4</td>
<td>184245</td>
<td>21251</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>104.</td>
<td>वन परिक्षेत्र [वन विभाग]</td>
<td>17572</td>
<td>4</td>
<td>184245</td>
<td>21251</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>105.</td>
<td>पत्थर हरस्तला निर्माण केन्द्र</td>
<td>19414</td>
<td>3</td>
<td>245660</td>
<td>28334</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>106.</td>
<td>सितेमा घर</td>
<td>21177</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>107.</td>
<td>कार्यालय उल्लेख अभियंता विभाग</td>
<td>27258</td>
<td>2</td>
<td>368490</td>
<td>42502</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>108.</td>
<td>कार्यालय सूचना एवं प्रकाशन</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>109.</td>
<td>कार्यालय वन मण्डलाधिकारी</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>110.</td>
<td>कार्यालय दि मध्य प्रदेश स्टेट मॉडलेंग कार्यालय</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>111.</td>
<td>कार्यालय जिला उल्लेख केन्द्र</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>112.</td>
<td>कार्यालय महिला बाल विकास विभाग</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>113.</td>
<td>कार्यालय जिला न्युजिलिंग अधीक्षक</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>114.</td>
<td>कार्यालय उप संचालक पशु विभिन्नता</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>115.</td>
<td>कार्यालय उप संचालक कृषि</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>116.</td>
<td>कार्यालय सिंचाई विभाग</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>117.</td>
<td>कार्यालय जनम एवं मृत्यु पंजी</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>118.</td>
<td>भारतीय जीवन बीमा निगम</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>119.</td>
<td>कार्यालय लोक निर्माण विभाग</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>120.</td>
<td>कार्यालय ग्रामीण विकास अभि.</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>121.</td>
<td>कार्यालय जिला आपूर्ति एवं विपणन सूच</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>कार्य</td>
<td>प्रवेश बिंदु</td>
<td>प्रवेश बिंदु के ऊपर के सेवाक्रमों की संख्या</td>
<td>कार्य ग्रहण के अन्तिम सेवा दिन की संख्या</td>
<td>सूचना सीमांकन</td>
<td>सूचना सीमांकन सूचकांक</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>----------------------</td>
<td>------------</td>
<td>----------------------------------------</td>
<td>------------------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
</tr>
<tr>
<td>122.</td>
<td>सघन प्रवेश चेतन केन्द्र</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>123.</td>
<td>दूरदर्शन प्रसारण केंद्र</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85000</td>
</tr>
<tr>
<td>124.</td>
<td>कार्यालय, जिला अग्रणी बैंक</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>125.</td>
<td>राज्य परिवहन सब हिस्ट्री</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>126.</td>
<td>मुख्य वाराणसी</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>127.</td>
<td>जिला न्यायालय</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>128.</td>
<td>टेलीफोन एक्सचेज</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>129.</td>
<td>कुकिंग गैस वितरण</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>130.</td>
<td>ज्वांहर कृषि अनुसंधान केन्द्र</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>131.</td>
<td>औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>132.</td>
<td>शोध केन्द्र</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>133.</td>
<td>जिला जेल</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>134.</td>
<td>रोजगार कार्यालय</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>135.</td>
<td>कार्यालय, उप संचालक शिक्षा</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>136.</td>
<td>कार्यालय, अधीनस्थ भू-अभिलेख</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>137.</td>
<td>कार्यालय, जिला सख्याकी</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>138.</td>
<td>जिला मुख्यालय</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>139.</td>
<td>राजीव गांधी शिक्षा मिशन</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
<tr>
<td>140.</td>
<td>जिला सख्याकी उद्योग केन्द्र</td>
<td>42354</td>
<td>00</td>
<td>1</td>
<td>736981</td>
<td>85003</td>
</tr>
</tbody>
</table>
4. सेवाकेन्द्रों के पदातिक की संकल्पना:

सेवाकेन्द्र वह अवस्थित होती है जो अपने चारों ओर की बस्तियों को कसूटूंग्र अथवा सेवाओं प्रदान करती है। उस स्थान की केन्द्रितता उसके किन्हीं आत्मिक गुणों के कारण नहीं होती वरन् उस स्थान पर कुछ कार्य हिस्तत हो जाने के कारण होती है। केन्द्रिय स्थान सिद्धांत की संकल्पना सर्वप्रथम दो शोधकर्ता जे.सी.सिंह 14 और लॉल 15 अर्थशास्त्री ने की थी, इसके पूर्व लिप्त होने ने इसके उद्भव के विचार प्रस्तुत किये थे। क्रिस्टलर का सिद्धांत मुख्यतः समकोण वितरण पर आधारित है, जबकि स्टॉर्स ने बड़ी ओर के आधार मानकार अवस्थिति अर्थशास्त्र और प्रादेशिक वितरण को पुरात्मापित किया। दोनों शोधकर्ताओं के सिद्धांत तीन क्रियाओं पर आधारित थे। 16 ये तीन कारण निम्नलिखित हैं:

1. क्षेत्रीय उपयोगी क्रियाओं का अस्तित्व एवं उनका वितरण।
2. परिवर्तन मूल्य एवं उसकी तीव्रता।
3. मापन का अर्थशास्त्र विनियोग एवं मानवीय पहुँच।

क्रिस्टलर के अनुसार एक नगरीय केन्द्र को उत्पादक भूमि का एक निश्चित क्षेत्रफल आधारित रहता है, उस केन्द्र की सता इसलिए बनी रहती है कि वह अपने चारों ओर के क्षेत्र की अनिवार्य सेवाओं करता है। 17 कालान्तर में सेवाकेन्द्रों का अध्ययन इतने, हेगस्टेन्ड 19, बेरी एवं मैरीसन 20 और सेन 21 ने भी किया है।

प्रस्तुत सेवाकेन्द्र के पदातिक की संकल्पना उक्त सिद्धांतों का निष्कर्ष है तथा क्षेत्रीय दृष्टि और निर्माण आर्थिक विकास ध्वंस बूढ़ तथा जेसी 22 तथा आर्थिक दृष्टि का प्रसार भौगोलिक घटनाओं पर निर्भर है। शाफतपन 23 और हर्स्मन 24 ने विभिन्न क्षेत्रों की वस्तुंग्र और सेवाएं, जनसंख्या का समालोचना और उनके संशोधन केन्द्रों को विभिन्न वर्गों में विभाजित किये हैं, निम्नवर्ग के केन्द्र आधारभूत स्तरीय वस्तुओं और सेवाओं को न्यून दूरी तक और उच्च वर्ग के केन्द्र उच्च वर्गीय वस्तुओं और सेवाओं को बड़ी जनसंख्या वाले बृहत दूरी के क्षेत्रों तक पहुँचाते हैं, उच्च वर्ग के केन्द्र छोटे वर्ग के केन्द्रों को सुकृतियां पहुँचाते हैं जबकि
निम्न वर्षीय केन्द्र निम्नतम केन्द्रों को सेवाएँ देते हैं, इस प्रकार केन्द्र में सेवा केन्द्रों की एक श्रेणी निर्मित हो जाती है।

स्मालू ने, कॉर्तेर, केरॉल, डिकिन्स, आदि सेवाकेंद्रों और उनके पदानुक्रम के निर्धारण के लिये विभिन्न उपादानों का प्रयोग किया है। सेवाकेंद्रों के परिचय के लिये विभिन्न परिचालक तत्त्वों पैसे के तत्त्वों के प्रति लुभानवार का विक्रय व्यवसाय, बैराई द्वारा पुरुष व्यवसाय में रोजगार प्राप्त व्यक्ति गोड़ुलूड़े, द्वारा, वागिनिक जनसंख्या लिखी और सिंह और सिंह द्वारा संयुक्त श्रेणी शिक्षा, भारत द्वारा उद्योग एवं विभिन्न विभिन्न फाउंडेशन का उपयोग किया गया। टीममैन जिला का सामाजिक एवं आर्थिक परिवेश लगभग ग्रामीण है, जहाँ वागिनिक जनसंख्या केंद्रीय स्थानों के परिचय के लिये अप्राप्त है, इस कारण दो विभिन्न वर्तमान अध्ययन में प्रयोग के तौर पर विशेषित की गयी है। व्यक्तिगत चुनाव और बाह्य तथा आन्तरिक सेवा ध्यान में आते, जिसमें प्रभाव विधि को जनसंख्या समावेश विधि जो समुदाय एवं योगदान परिवार प्रत्यक्ष नहीं करती, जबकि दूसरी विधि में आकड़ों द्वारा क्षेत्र में निर्माण आकलन प्राप्त किया गया है, संस्था के प्रत्येक आवश्यक क्षेत्र का सर्वेक्षण करना अत्यंत कठिन है। संस्थाओं की अपराधिक, संस्थाओं के समय और परिवहन के साधनों की कमी के कारण चयनित व्यक्तियाँ, द्वारा प्राप्त संस्थाओं के आधार पर सर्वेक्षण कार्य सम्पन्न हुआ है, इस कार्य के लिये इस कार्य को 150 प्रयोग की तैयार किया गया था। ये कार्य पूर्व में ही क्षेत्र में प्राप्त थे, उन्हें विशेषण में सम्पूर्ण किया गया है। सामान्यतः यह देखा गया है कि यहाँ के केन्द्र कुछ विशिष्ट सेवाएँ और काफी कुछ दूसरी भी प्रदान करते हैं। अध्ययन क्षेत्र में सेवा केन्द्रों की प्राप्त तीव्रता निर्मल अधिक कहीं वर्ग का महत्व उतना ही कम होना, वास्तव में सेवाकेंद्रों का पदानुक्रम इसी आधार पर निर्धारित होता है। नगरीय सेवाकेंद्रों के पदानुक्रम को निर्धारित करने की अनेक विधियाँ हैं, किन्तु ग्रामीण सेवाकेंद्रों के निर्धारण के लिये अभी तक एक विधि समग्र रूप से सेवाकेंद्रों का निर्धारण नहीं करती। भारत में अनेकों प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विभिन्नताओँ हैं, जो ऐसे का लक्षी प्रत्यक्ष करती हैं और ग्रामीण सेवाकेंद्र पदानुक्रम घटते चले जाते हैं। उपरोक्त विधानों ने ग्रामीण सेवाकेंद्रों के निर्धारण में पर्याप्त कार्य किया है।
REFERENCE


